श्रवण बाधित बालक
(Hearing Impaired Children)

भूमिका :—

आँख की भाँति कान भी मनुष्य की महत्वपूर्ण ज्ञानेन्द्रिय है। यदि किसी व्यक्ति को सुनने, ध्वनियों को पहचानने और उनका सही अर्थ लगाने में असुविधा का सामना करना पड़ता है तो वे श्रवण दोषों से युक्त असमर्थता का शिकार माने जाते हैं। श्रवण समस्या को हम श्रवण बाधिता के रूप में भी वर्णित कर सकते हैं। जितनी ज्यादा असमर्थता होगी, बाधिता भी उतनी ही अधिक होगी। जब बच्चा पूर्ण रूप से बाधित होता है अर्थात् उसे कुछ भी सुनाई नहीं देता है तो उसे 'बहरा' कहा जाता है। दूसरे प्रकार के बालकों में पूर्ण बहरापन नहीं होता, बल्कि उनकी श्रवण इन्द्रियों में ऐसे दोष पाये जाते हैं। जिसकी वजह से उन्हें सामान्य वार्तालाप में कठिनाई आती है। ऐसे बच्चों को "ऊँचा सुनने वाले" बालक कहा जाता है। ऐसे बच्चों के साथ या तो काफी जोर से बोलना पड़ता है या श्रवण यन्त्रों के प्रयोग से इनकी परेशानी कम की जा सकती है। बच्चा अगर जन्म से बहरा है तो वह गूंगा भी हो सकता है। वह अपनी बात केवल इशारों से ही जान व समझ सकते हैं। श्रवण बाधिता को हम केवल श्रवण बाधिता के आधार पर माप सकते हैं। ध्वनि को हम प्रायः डेसीबल में मापते हैं।

Scanned with CamScanner

21 श्रवण बाधिता का अर्थ (Meaning of Hearing Impairment) :— श्रवण बाधित बालक ऐसे बालक होते हैं जिनकी सुनने की क्षमता नष्ट हो जाती है तथा उन्हें बोलने और भाषा में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। ऐसे व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति की भी भाषा सुनने और समझने में परेशानी होती है। इस दृष्टि से श्रवण बाधितों की दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है :—

1. पूर्ण श्रवण बाधित,
2. आंशिक श्रवण बाधित।

कुछ बच्चे जन्मजात बहरे होते हैं या कुछ जन्म के समय तो ठीक पैदा होते हैं लेकिन बाद में किसी चोट या दुर्घटना या बीमारी के कारण अपनी श्रवण शक्ति खो बैठते हैं। ऐसे बच्चे पूर्ण श्रवण बाधित होते हैं। आंशिक श्रवण बाधित बालक वे बालक होते हैं जो अपनी श्रवण क्षमता कुछ सीमा तक खो बैठते हैं। ऐसे बच्चे बिना श्रवण यन्त्र या श्रवण यन्त्र की सहायता से आसानी से सुन सकते हैं। ऐसे बच्चों को सामान्य स्कूलों में सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा देने में कठिनाई नहीं आती।

किसी बालक के श्रवण अंगों में कोई दोष होता है तो उसे श्रवण बाधिता कहते हैं। इस प्रकार जब

❖ The folly of one man is the fortune of another.

Scanned with CamScanner

यह दोष कान के बाहर, अन्दर या मध्य में भी हो सकता है। श्रवण बाधित बच्चों को श्रवण प्रशिक्षण तथा श्रवण यंत्र की विशेष रूप से आवश्यकता होती है।

22

श्रवण बाधित बालकों का वर्गीकरण (Classification of Hearing Impaired Children) वे सभी बालक जिनको सुनने में किसी भी तरह की कोई कठिनाई होती है, श्रवण बाधित बालक कहलाते हैं। ध्वनि का परिसर 1 से 130 डेसीबल होता है। श्रवण बाधित बच्चों को ध्वनि परिसर के अनुसार चार भागों में बाँटा गया है।

(1) कम श्रवण बाधिता (Mild Hearing loss) :—

कम श्रवण बाधितों को 27 से 40 dB की श्रवण बाधिता होती है। कम श्रवण बाधित बालक सामान्य स्तर की बातचीत को तो आसानी से सुन लेते हैं, परंतु उससे धीमे स्तर से बोलने पर ये बालक सुन नहीं पाते हैं।

(2) मन्द श्रवण बाधिता (Moderate Hearing loss) :—

मन्द श्रवण बाधित बच्चों की श्रवण शक्ति में 40 dB से 55 dB तक का नुकसान होता है। इनको सामान्य वार्तालाप सुनने में भी कठिनाई होती है। इस प्रकार के बच्चे सुनने के यन्त्र का प्रयोग करके सुन सकते हैं।

Sympathy is the key that fits the lock of any heart. ❖

Scanned with CamScanner

NOTES

APPOINTMENTS

23

(3) गम्भीर श्रवण बाधिता (Severe Hearing loss) :— गम्भीर श्रवण बाधित बच्चों की श्रवण बाधिता 55dB से 70dB तक होती है। इन्हें काफी ऊँचा बोलने पर सुनाई देता है। इस प्रकार के बच्चों को विशेष प्रकार का शिक्षण दिया जाता है।

(4) पूर्णतया श्रवण बाधिता (Profound Hearing loss) :— इस प्रकार ~~की~~ के बच्चों की श्रवण बाधिता 70dB से 90 dB या इससे भी अधिक होती है। इस प्रकार के बच्चों को श्रवण यन्त्र के प्रयोग के साथ भी सुनने में कठिनाई होती है। ये प्रायः बधिर होते हैं। अतः यह आवश्यक है कि इस प्रकार के बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

श्रवण बाधिता के कारण (Causes of Hearing Impairment) :— श्रवण बाधिता आनुवांशिक या वातावरण दोनों के परिणामस्वरूप हो सकती है। ये दोनों तत्व बच्चों की श्रवण क्षमता को प्रभावित करते हैं, जिसके कारण श्रवण बाधिता हो सकती है। आनुवांशिक व वातावरण सम्बन्धी प्रभावों का अध्ययन तीन स्तरों पर किया जा सकता है :—

Scanned with CamScanner

NOTES

APPOINTMENTS

24

1. जन्म से पूर्व के कारण
2. जन्म के समय के कारण
3. जन्म के बाद के कारण

1. जन्म के पूर्व प्रभावित करने वाले कारक :—

जन्म के पूर्व प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित हैं :—

(a) आनुवंशिकी (Hereditary) :— श्रवण संबंधी दोषों का एक प्रमुख कारण आनुवंशिकता है। यदि माता-पिता में से किसी को भी श्रवण दोष होता है तो बालक में श्रवण दोष होने के अधिक आसार होते हैं। माता-पिता के द्वारा दोषपूर्ण जीन्स व क्रोमोसोम के कारण यह रोग हो सकता है।

(b) दवाओं का उपयोग :— गर्भावस्था के दौरान प्रयोग की जाने वाली दवाइयाँ स्ट्रेप्टोमाइसिन L.S.D. आदि विभिन्न प्रकार की दवाइयों के प्रयोग से भ्रूण शीशु को नुकसान होता है तथा ये श्रवण बाधिता के कारण बन सकते हैं। इसलिए गर्भवती महिला को इनका प्रयोग नहीं करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

(c) रूबैला :- रूबैला एक जर्मन खसरा है जो मुख्यत: गर्भवती महिलाओं में होता है। श्रवण बाधितों में 30% बच्चे जर्मन खसरा से प्रभावित पाये जाते हैं। यह देखा गया है कि जो गर्भवती माताएँ इस बीमारी से पीड़ित हुईं, उनकी सन्तानें श्रवण बाधित हुईं।

(d) संक्रमण या द्रुत रोग :- गर्भवती माँ को होने वाली द्रुत की बीमारियाँ जैसे- कनफेड़ और इन्फ्लुएन्जा आदि के कारण बच्चे की श्रवण शक्ति प्रभावित होती है।

(e) कुपोषण व भुखमरी :- बालक अपने पोषण हेतु गर्भकाल में भोजन ग्रहण करता है इसलिए माँ के खान-पान, स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखना चाहिए। गर्भवती माँ को विटामिन आदि से भरपूर भोजन करना चाहिए तथा कुपोषण से बचना चाहिए। कुपोषण व भुखमरी भी श्रवण बाधिता का एक कारण बन सकता है। माँ द्वारा जहरीले पदार्थ व शराब का सेवन भी बच्चे को श्रवण बाधित बना देता है।

Scanned with CamScanner